



Maynk



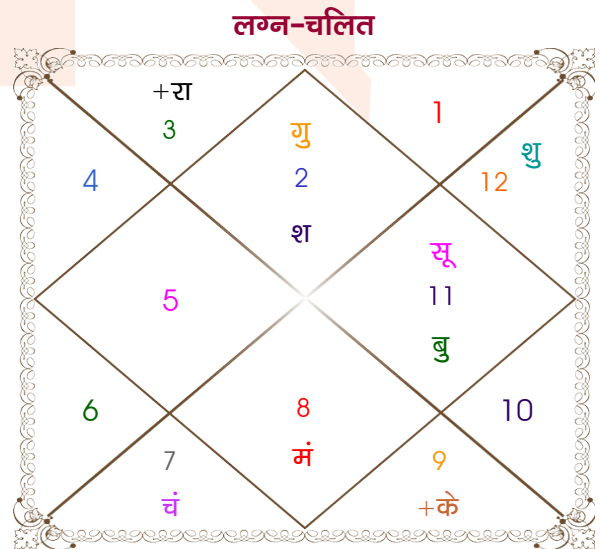
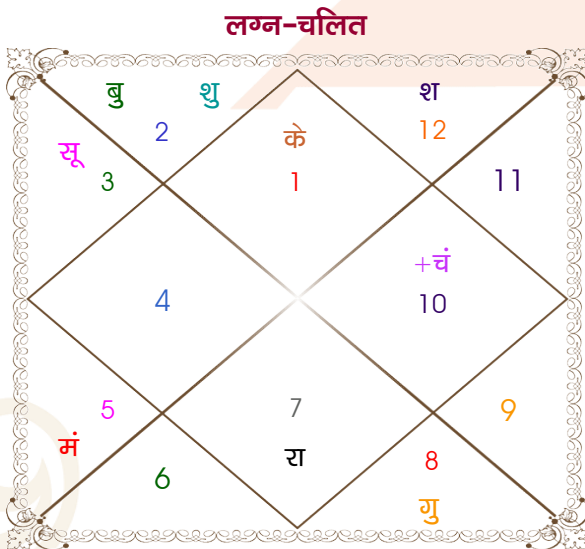
Shivani jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121856407

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16-17/06/1995 :	जन्म तिथि	: 13/02/2001
शुक्र-शनिवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 02:10:00 :	जन्म समय	: 12:15:00 घंटे
घटी 51:52:37 :	जन्म समय(घटी)	: 13:20:22 घटी
India :	देश	: India
Gwalior :	स्थान	: Gwalior
26:12:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:12:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:24:57 :	सूर्योदय	: 06:54:51
19:11:17 :	सूर्यास्त	: 18:08:41
23:47:47 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:06

विंशोत्तरी चन्द्र 0वर्ष 2मा 23दि गुरु 09/09/2020 09/09/2036	अंश 06:59:44 01:26:07 23:01:26 17:00:24 16:01:24 14:48:36 13:43:39 00:38:21 10:29:12 10:29:12 05:59:00 01:08:25 04:42:57	राशि मेष मिथु मक सिंह वृष वृश्चि वृष मीन तुला व मेष व मक व मक व वृश्चि व	ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु व केतु व हर्ष नेप प्लूटो	राशि वृष कुंभ तुला वृश्चि कुंभ वृष मीन वृष मिथु धनु मक मक वृश्चि	अंश 11:50:26 00:45:32 08:19:50 05:18:48 00:10:22 07:55:22 14:23:55 00:32:22 20:53:01 20:53:01 27:10:02 13:04:15 21:06:26	विंशोत्तरी राहु 15वर्ष 9मा 1दि गुरु 15/11/2016 15/11/2032	गुरु 03/01/2019 17/07/2021 22/10/2023 27/09/2024 29/05/2027 17/03/2028 17/07/2029 22/06/2030 15/11/2032
--	--	---	---	--	--	--	---



Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि इंदला का नक्षत्र श्रवण है।

इंदला का वर्ग मार्जार है तथा िपअंदप रंपद का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार इंदला और िपअंदप रंपद का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

इंदला मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

िपअंदप रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल िपअंदप रंपद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि िपअंदप रंपद कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डंलदा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।
डंलदा तथौपअंदप रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com